541 (X)
सं0- /XXVIII-5-2005-42/2005

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा मे,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक : 31 मार्च, 2006

विषय: जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ एवं महिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ का परस्पर संविलियन(Merger) करते हुए जनपद पिथौरागढ़ में बेस चिकित्सालय की स्थापना हेतु पदों का सृजन ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-6प/नियो0/42/2005/24980 दिनांक 16.11.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ एवं महिला चिकित्सालय पिथौरागढ़ का परस्पर संविलियन(Merger) करते हुए जनपद पिथौरागढ़ में बेस चिकित्सालय की स्थापना हेतु कुल 05(पांच) अस्थायी पदों को उनके सम्मुख अंकित वेतनमान में इस आदेश के निर्गत होने अथवा नियुक्ति की तिथि (जो भी बाद में हो), बशर्ते यह पद बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न किये गये हों, से दिनांक 28.02.2006 तक सृजन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है ।

2- चालू वित्तीय वर्ष में उक्त पदों के लिये वेतनादि मदों हेतु संलग्नानुसार रू0 6,000.00 (रू0 छः हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की स्वीकृति भी प्रदान की जाती है ।

3- उक्त पदों पर नियुक्ति आवश्यकतानुसार की जाए । उक्त स्वीकृत पद पूर्णतः अस्थाई है एवं उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त किया जा सकता है ।

4- मुख्य चिकित्साधीक्षक के पद को समाप्त करते हुए उक्त पद को समान वेतनमान में कन्सलटेंट गाइनोकोलोजिस्ट के रूप में परिवर्तित किया जाता है ।

5- इस संबंध में होने वाला व्यय आय-व्ययक 2005-06 के अनुदान सं0-12, लेखाशीर्षक-2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य -आयोजनागत 01-शहरी स्वास्थ्य सेवाये -पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति 110-अस्पताल तथा औषधालय, 04 उपचारिका सेवायें के अन्तर्गत संलग्नानुसार वेतनादि मदों के नामे डाला जायेगा ।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-1280/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3 /2005 दिनांक 21.03.2006 मे प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे है ।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,

(आलोक कुमार जैन)
प्रमुख सचिव

सं0–140 / XXV ।।।–5–2006–29 / 2006

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा मे,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग–4 देहरादूनः दिनांक : 3 मार्च, 2006

विषयः सुमन जिला चिकित्सालय नरेन्द्रनगर टिहरी गढ़वाल के भवन निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृति

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0–7प / 1 / जि0चि0 / 43 / 2005 / 5106 दिनांक 17.1.2006 के संदर्भ मे मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005–06 में सुमन जिला चिकित्सालय नरेन्द्रनगर टिहरी गढ़वाल के भवन के निर्माण कार्यो हेतु संलग्नानुसार कार्य की अनुमानित लागत रू.0 7,26,20,000.00(रू0 सात करोड़ छब्बीस लाख बीस हजार मात्र) के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष में उक्त कार्य हेतु रू0–1,91,000.00 (एक लाख इक्यानब्बे हजार मात्र) की धनराशि संगत मद से तथा रू0–25,00,000·00 (पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि संलग्न बी0एम0–15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों के व्ययवर्तन द्वारा इस प्रकार कुल रू0 26,91,000.00 ( रू0 छब्बीस लाख इक्यानवे हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि कार्य की लागत के सम्बन्ध में व्यय वित्त समिति की संस्तुति प्राप्त कर, अनुमोदन की कार्यवाही शीघ्र सुनिश्चित कर लेंगे ।

1– वित्त व्यय समिति के अनुमोदन के पश्चात् ही कार्य आरम्भ किया जायेगा । एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर ली जायेगी ।

2– कार्य कराते समय लो0 नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

3– उक्त धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात् अपर परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम को उपलब्ध कराई जायेगी। प्रत्येक दशा मे इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण ऐजेन्सी कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि कार्य स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराया जायेगा तथा किसी भी दशा में लागत पुनरीक्षित नही की जायेगी।

4– स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित वाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका मे उल्लिखित प्राविधानों मे बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

5– आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों मे जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट मे स्वीकृत नही है अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, कि स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण स्तर के अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।

6– कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

7– कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक हैं। स्वीकृत मानक अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

8– एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्ष प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

9– कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लो निमार्ण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते सम पालन करना सुनिश्चित करें ।

10– कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के सा आवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी अनुरूप कार्य किया जायें।

11– आगणन को जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जा एक मद का दूसरी मद मे व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग मे लाने से पू किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग मे लाय जाए।

12– स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा मे माह की 07 तारी तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इ धनराशि से निर्माण का क़ौन सा अंश पूर्णतया निर्गत किया गया है।

13– निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों मे बदलाव आता तो इस दशा मे शासन की स्वीकृति आवश्यक होगी ।

14– निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू–भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू–भाग की गणना आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।

15– उक्त भवनों के कार्यो को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लाग पुरीक्षित करने की आवश्यकता न पडे ।

16– उक्त व्यय वर्ष 2005–06 के आय–व्ययक मे अनुदान संख्या –12 के लेखाशीर्ष 4210–चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, 01–शहरी स्वास्थ्य सेवायें–आयोजनागत 110–अस्पताल तथा औषधालय–17– अनावासीय भवनों में वृहद स्तरीय अनुरक्षण विस्तारीकरण तथा निर्माण–00–24– वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न बी0एम0–15 के कालम–1 की बचतों से वहन किया जायेगा ।

17– यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0–1445/वित्त (व्यय नियंत्रण)अनुभाग–3/2006 दिनांक 31.03.2006 मे प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीय

( अतर सिंह )
उप सचिव

संख्या –140(1) /xxviii–5–06–27/06 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखत को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देरादून ।
2– निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल ,देहरादून।
3– मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून ।
4– जिलाधिकारी टिहरी ।
5– मुख्य चिकित्साधिकारी टिहरी ।
6– परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम , उत्तरांचल (नई टिहरी )
7– निजी सचिव मा0मुख्यमंत्री।
8– बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून ।
9– वित्त (व्यय नियंत्रण)अनुभाग–3/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.
10– आयुक्त कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल ।
11– गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

( अतर सिंह )
उप सचिव।